डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 74 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 26 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

मामला पांचवीं-आठवीं बोर्ड परीक्षा का...

विद्यार्थियों को करनी होगी कड़ी मेहनत

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शिक्षा मंत्रालय द्वारा नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने छात्रों को अगली कक्षा में प्रवेश के लिए कड़ी मेहनत करना होगी। जिले में सालाना करीब 15-20 फीसदी छात्र ऐसे होते हैं जो परीक्षा में सफल नहीं हो पाते थे। लेकिन, फिर भी उन्हें अगली कक्षा में प्रवेश दिया जाता था। गत वर्ष ही जिले में कई छात्र परीक्षा में असफल रहे थे। इसमें कई छात्र ऐसे भी थे जो परीक्षा में शामिल नहीं हुए, बाद में सभी छात्रों को प्रमोट कर दिया गया।

अभी तक, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एमपीबोर्ड के छात्रों को री-एग्जाम देने का अवसर दिया जाता था। ताकि फैल होने के बाद भी अपनी पढाई में सुधार कर पास हो सकें। अब छात्रों को री-एग्जाम देने का भी कोई अवसर नहीं मिलेगा। पूर्व व्यवस्था के तहत, छात्र यदि परीक्षा में फैल हो जाते थे, तो भी उन्हें अगली कक्षा में पढाई जारी रखने का अवसर मिलता था। लेकिन अब नया निर्णय लागू होने के बाद, यदि छात्र कक्षा में पास नहीं होते हैं तो उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा।

डंपर की टक्कर से कार चालक की मौत

नारायणगढ़, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बुधवार को एक डंपर की टक्कर से कार चालक की मौत हो गई। नारायणगढ पुलिस के अनुसार मामला सिंदपन व चौथखेडी गांव के बीच डेम के पास मेन रोड का है।

एक डंपर के अज्ञात ड्राइवर ने अपने वाहन को तेज गति को अनियंत्रित तरीके से चलाया और दीपक राठौर की कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दीपक गंभीर घायल हो गया, बाद में उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू की है।

देसी नहीं गया विदेश, विदेशी ने आकर कर दिया बवाल..!

लहसून किसानों के लिए कागजों पर तैयार योजना, धरातल पर नहीं उतरी

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में अफीम के साथ मसाला फसलों का उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है। इसमें लहसुन प्रमुख है। जिले में हर साल लगभग एक लाख पचहत्तर हजार मीट्रिक टन से अधिक लहसुन का उत्पादन होता है। यह प्रदेश में तीसरे नंबर पर है। लेकिन, लहसुन किसानों से किए वादे पूरे नहीं हो पाए। घोषणाएं और योजनाएं कागजों से बाहर नहीं निकल पाई। कुछ समय पहले मंदसौर के लहसुन को किसानों के माध्यम से ही सीधे विदेशों तक पहुंचाने की योजना तैयार की गई थी। लेकिन, हमारी लहसुन बाहर जाकर धूम मचाए, उसके पहले ही चायना की लहसुन ने यहां पहुंचकर बवाल मचा दिया। किसानों को चायना की लहसुन से आर्थिक रूप से काफी नुकसान हो रहा है। जबकि लहसुन किसानों को दिखाए सपने धरातल पर नहीं उतर पाए। यह भी है कि चायना लहसुन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक भी है। लेकिन, इसकी आवक पर रोक नहीं लगा पा रहे है।

यह थे शासन-प्रशासन के दावे...

कुछ समय पहले शासन ने एक जिला एक उत्पाद में केवल मंदसौर के लहसुन को शामिल किया। प्रशासन द्वारा मंदसौर लहसुन का एक ब्रांड व लोगो तैयार कर किसानों के माध्यम से ही इसे देश, विदेश में एक्सपोर्ट किए जाने की योजना तैयार की। दावा किया गया कि जिले की पहचान देश विदेश में बनेगी। लहसुन तैयार करने के आधुनिक तरीके भी किसानों को समझाने के दावे किए गए। कुल मिलाकर योजना यह थी कि मंदसौर का लहसुन विदेशों में जाएगा। इससे किसानों को तगड़ा फायदा होगा। अब वर्तमान की स्थिति में विदेशी लहसुन के पहुंचने से किसानों को जो लाभ पहले लहसुन देती थी, वह भी नहीं दे पा रही।

इसलिए खास है, मंदसौर का लहसून...

व्यापारियों के मुताबिक मंदसौर की लहसुन देश में सबसे अच्छी होती है, इसलिए इसकी मांग अधिक रहती है। यह ज्यादा सफेद, कड़क एवं 15 माह तक चलता है। गुजरात का लहसुन छोटा होता है, उसमें डंडी लंबी रहती है। यूपी के लहसुन में काली मूंछ रहती है।

राजस्थान का लहसुन 7 से 8 माह में खराब होने लगता है, इसलिए हमारा लहसुन सबसे बेहतर है।

यह है चायना और देसी लहसून में अंतर...

चायना का लहसुन मंदसौर के लहसुन से ज्यादा सफेद व बडा होता है। जानकारों के मुताबिक चायना में किसान खेतों में ही लहसुन की ग्रेडिंग करते हैं। वहीं पर मशीनों से इसकी नमी कम कर पैकिंग करते हैं। अपने यहां किसान ऐसे ही ट्रॉलियों में भरकर मंडी में लाता है। यहां नीचे फैला देता है। इससे 10 से 20 फीसदी लहसुन यहीं खत्म हो जाता है।

यहां के लहसुन में ऑइल व तीखापन अधिक होता है...

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार मंदसौर व आसपास का मौसम लहसुन के लिए अनुकूल है। मंदसौर, रतलाम के जावरा व पिपलौदा से लेकर नीमच तक लहसुन अच्छा होता है। हालांकि मंदसौर की मिट्टी में वाटर होल्डिंग की क्षमता अच्छी है। पोटाश की मात्रा भी उपयुक्त है। वहीं किसान सल्फर का उपयोग अच्छे से करना जानते हैं। इससे यहां के लहसुन में ऑइल व तीखापन अधिक पाया जाता है। इसके कारण मंदसौर का लहसुन देशभर में प्रसिद्ध है।

भाजपा जिलाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए मंदसौर आए इंदौर महापौर

60 से ज्यादा भाजपाइयों की सुनी मन की बात

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला भाजपा अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए जिले के 62 पदाधिकारियो व जनप्रतिनिधियो से बुधवार को रायशुमारी करने इंदौर महापौर व जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्यमित्र भार्गव ने सभी के मन की बात सुनी। इस दौरान जिलेभर के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे।

बुधवार को भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा अध्यक्ष के लिए जिले के कुल 62 प्रमुख भाजपाईयो से रायशुमारी की गई। इसमें जिले के 21 में से 20 मंडलो के अध्यक्ष व मंडल प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा वर्तमान जिलाध्यक्ष व पूर्व जिलाध्यक्ष, जिले के चारो विधायक, पूर्व विधायक, लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं मंदसौर नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष शामिल थे। कुल 62 में से एक दो को छोड सभी जिला भाजपा कार्यालय पहुंचे।

इस दौरान सभी से अपनी पसंद के तीन नाम मांगे गए। यह भी पूछा गया कि जिसके नाम आप दे रहे हो, उन्हें कब से जानते है। वे कब से संगठन में सक्रिय है। उन्होंने पूर्व में क्या क्या काम संगठन में किया है, कौन कौन से आंदोलन में बढचढ कर भाग लिया है। इसके अलावा विभिन्न जानकारियां ली गई।

बस की टक्कर से बाईक सवार युवक घायल

मनासा, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के मंदसौर रोड पर स्थित झवर पेट्रोल पंप के पास रामतलाई के सामने बस की टक्कर से एक बाईक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे मनासा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां पर प्राथमिक इलाज के बाद युवक को नीमच के बड़ेअस्पताल भेजा है।

जानकारी के अनुसार मंदसौर की तरफ से आ रही जय श्री गणेश बस की टक्कर से बाईक सवार अंबालाल पिता राजकिरण बंजारा उम्र 25 साल निवासी लोढाखेडा घायल हो गया। वहीं घटना के बाद बस चालक और उसमें बैठी सवारी अचानक गायब हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल युवक को अस्पताल भेजा। युवक की आंखों के उम्मर और सिर पर चोट लगी है।

ऐसी कांग्रेस कौन सुधार पायेगा..!

कार्यकारिणी चार सौ की, सक्रिय दर्जनों भी नहीं

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी मिलकर 400 की संख्या पार कर जाते हैं। ब्लॉक से लेकर राष्ट्रीय कांग्रेस से निर्देशित सार्वजनिक कार्यक्रम में भी आज तक 400 पदाधिकारी उपस्थिती नहीं दे पाए हैं। हाल का सबसे ताजा बाबासाहेब आंबेडकर के अपमान मामले में किए गए प्रदर्शन का है। जिसे कांग्रेस ने अपने पुनरुत्थान के लिए अति विशेष मान देश भर में विरोध प्रदर्शन और यात्रा निकालने की तैयारी कर ली है। जबकि, इसके स्थानीय कार्यक्रमों में भी कार्यकर्ता पदाधिकारी की संख्या सैकड़ा तक पार नहीं कर पाई है। गांधी चौराहे से लेकर आंबेडकर प्रतिमा तक किए गए आयोजन देख ले। एनएसयूआई के पुतला दहन में संख्या सीमित थी। इनसे बेहतर और जोशीला प्रदर्शन सांसद चंद्रशेखर की भीम आर्मी के युवकों के पुतला दहन में नजर आया था।

यहां कांग्रेस आलोचना का पात्र ही इसलिए बन रही है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी जो संसद में बुलंद तरीके से डॉ. आंबेडकर के अपमान का विरोध कर रही है और उसकी जिला इकाई मात्र दिखावा कर उपस्थिति दर्ज करवा रही है। जिला अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ ने अभी तक अपने नेता के अपमान का पर ना धरना दिया ना ही कोई विरोध प्रदर्शन किया है। जिला अध्यक्ष संदीप सालोद का कहना है कि हम ज्ञापन देने वाले हैं, धरना या विरोध प्रदर्शन के लिए प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। अत: यह माना जा सकता है कि अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ सिर्फ ज्ञापन देकर बैठ जाएगा जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश पटेल का कहना था कि उनके अपने फल व्यवसाय के कारण लगातार बाहर हैं, इसलिए उपस्थिति नहीं दे पाए हैं। जिला सेवादल के अध्यक्ष दिलीप देवड़ा जिला कांग्रेस के ज्ञापन का हिस्सा बन उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

कुल मिलाकर राष्ट्रीय कांग्रेस संगठन जिस मुद्दे को देशभर में यात्रा के माध्यम से उठाने की तैयारी कर रहा है। लोकसभा, राज्यसभा में प्रमुखता से उठाया जाता रहा है। इस मुद्दे पर जिलें में कांग्रेस संगठन को रुचि न के बराबर है। कुछ प्रकोष्ठों के नेताओं ने विरोध तक नहीं किया तो कुछ ने दिखाने के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कार दी। वहीं कुछ जनपद क्षेत्र में मुख्यालय के मुकाबले अधिक भीड़ के साथ प्रदर्शन किए गए। राष्ट्रभर के प्रभावित वर्ग और राष्ट्रीय स्तर के पार्टी कार्यक्रम के बाद भी अगर कांग्रेस संगठन इसी तरह से चलता रहा तो कैसे उम्मीद की जा सकती है प्रतिद्वंदी अनुशासित भाजपा से टक्कर ले पाने की ! सीतामऊ, मल्हारगढ़, शामगढ़ जैसे प्रदर्शन अगर जिला मुख्यालय पर किए जाते तो संभव है आम जन सोचने को मजबूर होता कि बाबा साहब के नाम के अपमान के बदले कांग्रेस सही कदम उठा रही है।

आज से दो दिन हल्की बारिश का अलर्ट

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में अगले आज से दो दिन यानी 26 और 27 दिसंबर को गरज चमक के साथ हल्की बारिश का अलर्ट है। बुधवार सुबह 9 बजे तक कोहरा और बादल छाए रहने की वजह से धूप देरी से निकली। वहीं, अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इधर दिन भर ठंडी हवा चलने से मौसम में ठिठुरन बढ़ गई। इस दौरान ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के कुछ जिलों में बारिश हुई।

मौसम विभाग भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश सिंह के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से मौसम बदल गया है। एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस पाकिस्तान के ऊपर भी एक्टिव है। साथ ही बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया एक्टिव है। इसके चलते 26 दिसंबर की रात में एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसका असर 28 दिसंबर तक बना रहेगा। इस साल दिसंबर के शुरुआती हफ्तों में ही कड़ाके की सर्दी पड़ना शुरू हो गई थी। जो अमूमन दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में पड़ती थी। वहीं, महीने के आखिरी दिनों में बारिश की एक्टिविटी रहेगी। इसके गुजरने के बाद एक बार फिर कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाएगा, जो जनवरी के दूसरे पखवाड़े तक चलेगा।

अनुग्रह चर्च में मना क्रिसमस डे सेलिब्रेशन

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के अनुग्रह चर्च में मंगलवार रात से प्रभु यीशु के जन्म का जश्न मनाया जा रहा है। क्रिसमस डे के अवसर पर चर्च को आकर्षक तरीके से सजाया गया है।

बुधवार सुबह विशेष प्रार्थना के बाद समाजजन ने एक-दूसरे को बधाई दी, जो देर रात तक जारी रहा। चर्च में धार्मिक आयोजन किए गए, जिसमें बच्चों और युवाओं ने उत्साह से नृत्य किया। समाजजन ने प्रभु के जन्म की खुशियां मनाई। सभी ने चर्च में प्रभु की प्रार्थना की और मोमबत्तियां जलाकर प्रभु को याद किया। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मदिन का जश्न मंगलवार रात से ही शुरू हो गया था। बुधवार सुबह विशेष प्रार्थना के बाद समाजजन को प्रभु यीशु की जन्म कथा सुनाई गई और इस अवसर पर केक भी काटा गया। दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री की साख क्या वाकई घट गई है..!

मंदसौर/उज्जैन, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अंतरराष्ट्रीय साख में समय और नंबर का बड़ा महत्व होता है। इसीलिए यह चर्चा वैश्विक स्तर पर आ गई है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साख घट गई है। दुनिया भर के बाजार में अभी तक अमेरिका का प्रभुत्व पहले नंबर पर बरकरार है। बराबरी के स्तर तक चीन और रूस जैसे राष्ट्र पहुंच बना रहे हैं, पर बन जाना अभी बाकी है। अमेरिका के भावी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ विधि समारोह के लिए उनके प्रतिद्वंदी कहलाने वाले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को निमंत्रण मिल चुका है। इसी के साथ दूसरे प्रतिद्वंदी रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन भी है। इन्हें अभी तक निमंत्रण नहीं भेजा गया है पर भारत के प्रधानमंत्री तो अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक दृश्य में डोनाल्ड ट्रंप के मित्र कहलाते रहे हैं। इसीलिए विश्व भर की राष्ट्रीय राजनीतिक चर्चा का सतही विषय बन गया है कि शी जिनपिंग को 15 दिन पहले ट्रंप के शपथ विधि कार्यक्रम का निमंत्रण मिल गया है। चीन के विदेश मंत्रालय और ट्रंप की प्रेस प्रमुख ने इसकी पुष्टि भी कर दी है। इसी कारण भारतीय राजनीति में संशय भरी चर्चाएं जारी है कि ऐसा क्या हो गया कि अभी तक भारत के प्रधानमंत्री को ट्रंप ने निमंत्रण नहीं भेजा?

चन्द्रमोहन भगत

जैसे कि वैश्विक राजनीति में स्तरीय मापदंड में समय और नंबर का महत्व रखा जाता है यानी अब अगर निमंत्रण मिलता भी है तो यह चर्चा होगी कि चीन से एक पखवाडे बाद क्यों न्योता गया! भारतीय विदेश नीति के जानकारो के माध्यम से जो समाचार बाहर आ रहे हैं उनमें कहा जा रहा है कि विदेश मंत्री जयशंकर और विदेश सचिव अमेरिका यात्रा पर इसीलिए गए हैं कि ट्रंप की नई सरकार से भारत के संबंध में नई नीतियों और होने वाली क्वाड समिट के लिए नई ट्रंप सरकार के आधिकारिक चर्चा कर सके। और इसी की आड में भारतीय प्रधानमंत्री के लिए निमंत्रण देने जैसा वातावरण बनाने के प्रयास किए जाएंगे।

अभी समय है ही निमंत्रण आ भी जाएगा, पर ऐसे ही भारत का पैदा कराया हुआ राष्ट्र बांग्लादेश भी अब भारत जैसे बडे लोकतांत्रिक देश से अकड कर बात करने लगा है। यूनुस सरकार ने भारत सरकार से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस भेजे जाने की मांग की है। ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके, भारत सरकार अभी तक ऐसा करने को तैयार नहीं हुई है। दूसरी तरफ बीते 10 सालों से साउथ एशियाई देशों का आपसी हित देखने वाला समूह शार्क निष्क्रिय बना हुआ है। इसे फिर से जीवित करने के प्रयास करने वाले देशों में से कुछ भारत को इससे बाहर रखना चाहते हैं। जैसे बांग्लादेश, पाकिस्तान, मालदीव, नेपाल, भूटान आदि। संभव है कि भारत के प्रतिद्वंदी बडे एशियाई देश भी इसके लिए मौन स्वीकृति दे रहे हो। ऐसा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अविश्वसनीय लगता है। लेकिन, यह सभी जानते हैं कि चीन का वर्चस्व हमारे सभी पडोसी राष्ट्र स्वीकार करते आ रहे हैं। इसी दौरान इसी तरह के वैश्विक वातावरण के कारण भी ये एशियाई देशों की राजनीति में संशय भरा सवाल उठने लगा है कि भारतीय प्रधानमंत्री की साख घटती जा रही है ?

अष्ठम पुण्य स्मरण

भक्ति आपने की... पुण्य हमें दिया
संघर्ष आपने किया... सुख हमें दिया
कर्म आपने किए... फल हमें दिया
देना ही आपके जीवन का मूल मंत्र था।।

पोरवाल समाज के वरिष्ठ, भाजपा के वरिष्ठ नेता, संघ निष्ठ, हमारे परम पूज्यनीय

स्व. सेठ श्री पूरनमलजी धनोतिया

की अष्ठम (8 वीं) पुण्यतिथि पर

शत-शत नमन

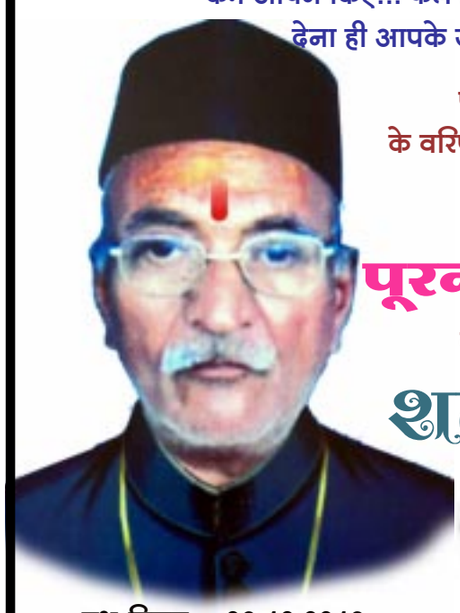

प्रभु मिलन - 26.12.2016

श्रद्धानवत

✲ पुत्र - विनोदकुमार, राजेन्द्रकुमार, अशोककुमार, महेश कुमार, संजय कुमार
✲ पौत्र-लोकेन्द्र, हरिश, राहुल, पलक, पलाश, आनंद, सक्षम, भव्य ✲ प्रपौत्र-लक्ष्य
✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲ फर्म ✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲
✲ जगन्नाथ मोतीलाल धनोतिया, फोन नं.-220041 ✲ धनोतिया ज्वेलर्स, फोन नं.-220841 ✲ धनोतिया ऑटो मोबाईल, मो.-9424042540 ✲ पोरवाल मोटर्स, मो.-9424035656 ✲ पोरवाल पेपर उद्योग, मो.-9425977930
✲ धनोतिया वेयर हाउस, सुवासरा ✲ पूर्णायू वेयर हाउस, घसोई
शुभेच्छु - पोरवाल मोटर्स, हास्पिटल रोड, सुवासरा

विचार-मंथन

इस महीने के अंत तक भरी जाएंगी मेडिकल सीट

भारत में चिकित्सकों की कमी को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे रेखांकित किया है। दरअसल, अदालत ने मेडिकल कालेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में खाली पड़ी सीटों को भरने का निर्देश देते हुए कहा कि देश में डाक्टरों की पहले ही इतनी कमी है, उसमें सीटें बर्बाद नहीं जानी चाहिए। इस महीने के अंत तक काउंसिलिंग करा कर उन सीटों को भरा जाए। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की दुर्दशा पर जब-तब सवाल उठते रहते हैं। लगभग सभी अस्पतालों में चिकित्सकों के बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं। इस मामले में ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों की दशा सबसे खराब है। सरकार ने खुद स्वीकार किया था कि मार्च 2022 तक ग्रामीण क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सर्जन, चिकित्सकों, स्त्री रोग विशेषज्ञों और बाल रोग विशेषज्ञों की लगभग अस्सी फीसद कमी थी। यूनेस्को भी कई बार बता चुका है कि भारत में एक हजार लोगों पर एक से भी कम चिकित्सक हैं। ऐसी स्थिति में, अगर चिकित्सक तैयार ही नहीं होंगे, तो इस कमी को पूरा कैसे किया जा सकेगा। हालांकि सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की कमी के अन्य कई कारण भी स्पष्ट हैं। पहले तर्क दिया जाता था कि हमारे यहां इसलिए जरूरत के मुताबिक योग्य चिकित्सक नहीं तैयार हो पा रहे कि मेडिकल कालेजों में सीटें बहुत कम हैं। इसके मद्देनजर कुछ नए कालेज खोले गए और सभी कालेजों में सीटें बढ़ा दी गईं। इस तरह पिछले दस वर्षों में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ कर करीब दोगुनी हो गई हैं। इसके अलावा हर वर्ष हजारों विद्यार्थी विदेशी संस्थानों से पढ़ाई करके वापस लौटते हैं। फिर, निजी अस्पतालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उनमें चिकित्सकों की कमी नजर नहीं आती। सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी की बड़ी वजह उनमें भर्तियों पर गंभीरता से ध्यान न दिया जाना है। ग्रामीण इलाकों में चिकित्सकों की कमी दूर करने के मकसद से नियम बनाया गया था कि चिकित्सा की पढ़ाई के बाद हर डाक्टर को कम से कम एक वर्ष ग्रामीण इलाकों में जाकर सेवा देनी होगी, मगर उस नियम का गंभीरता से पालन नहीं हो पाता। हर डाक्टर शहर में रहना चाहता है। वहां उसे कमाई के अधिक मौके नजर आते हैं। इन स्थितियों में शीर्ष अदालत की टिप्पणी को न केवल मेडिकल कालेजों में खाली पड़ी सीटों, बल्कि व्यापक अर्थ में लेने की जरूरत है। चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले को लेकर इसीलिए अधिक संघर्ष देखा जाता है कि वहां से निकलने के बाद युवाओं को एक तरह से रोजगार की गारंटी होती है। वे निजी तौर पर भी अपना चिकित्सालय खोल कर अच्छी कमाई कर लेते हैं। मगर चिंता उस बहुसंख्यक आबादी तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने को लेकर है, जो अपने इलाज पर पैसे खर्च कर पाने में सक्षम नहीं है। फिर, बहुत सारे योग्य चिकित्सक बेहतर वेतन और सुविधाओं के मोह में दूसरे देशों का रुख कर लेते हैं। यही वजह है कि अनेक रोगों के विशेषज्ञों की भारी कमी बनी हुई है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान की कमी को लेकर भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसा भी नहीं कि ये सारे पहलू सरकारों की नजर से ओझल हैं, मगर तमाम दावों के बावजूद चिकित्सकों की कमी को दूर करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाएं बेहतर करने आदि को लेकर उल्लेखनीय कदम नहीं उठाए जा पा रहे। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

श्रीलंका ने विदेशी रिसर्च जहाज पर बैन बरकरार रखा

अरुणिम भुयान

क्षेत्रीय भू-राजनीति की जटिलताओं को रेखांकित करने वाले एक कदम में श्रीलंका ने अपने क्षेत्रीय जल में विदेशी रिसर्च वेसल की एंट्री पर रोक को बढ़ा दिया है। यह निर्णय भारत की बढ़ती चिंताओं के बीच आया है, क्योंकि उसके तत्काल पड़ोस के पास चीनी जहाजों की मौजूदगी है। श्रीलंका का यह कदम भारत की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और बीजिंग के साथ अपने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाने की उसकी नाजुक कोशिश को दर्शाता है। कोलंबो का यह फैसला इस सप्ताह की शुरुआत में श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की भारत यात्रा के तुरंत बाद आया है, जो इस साल सितंबर में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। 16 दिसंबर को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दिसानायके ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार भारत के हितों के खिलाफ श्रीलंका के क्षेत्र का उपयोग नहीं होने देगी। वार्ता के बाद जारी किए गए संयुक्त बयान में कहा गया, स्वाभाविक साझेदार के रूप में दोनों नेताओं ने हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों देशों के सामने आने वाली आम चुनौतियों को रेखांकित किया और पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों का मुकाबला करने के साथ-साथ एक स्वतंत्र, खुला, सुरक्षित और संरक्षित हिंद महासागर क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।भारत श्रीलंका का सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी है, इसलिए राष्ट्रपति दिसानायका ने श्रीलंका की इस स्थिति को दोहराया कि वह अपने क्षेत्र का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए किसी भी तरह से हानिकारक तरीके से नहीं होने देगा। हाल के वर्षों में श्रीलंका के पास हिंद महासागर में वैज्ञानिक अन्वेषण में लगे चीनी शोध जहाजों को अधिक बार देखा गया है। भारत ऐसे जहाजों को दोहरे उपयोग वाले प्लेटफॉर्म के रूप में देखता है जो निगरानी करने और क्षेत्र की समुद्री और सैन्य गतिविधियों के बारे में संवेदनशील डेटा एकत्र करने में सक्षम है। ये जहाज, जो उन्नत सोनार और ट्रैकिंग तकनीक से लैस हैं, अक्सर महत्वपूर्ण शिपिंग लेन और अंडरसी इंफ्रास्ट्रक्चर के पास देखे जाते हैं जो भारत के आर्थिक और रणनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं। 2022 में भारत ने कड़ा विरोध किया था जब युआन वांग 5 नामक एक चीनी सर्वेक्षण पोत को श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर डॉक करने की अनुमति दी गई थी। हालांकि जहाज को एक शोध और सर्वे पोत के रूप में वर्णित किया गया था, लेकिन सुरक्षा विश्लेषकों ने कहा कि यह अंतरिक्ष और उपग्रह ट्रैकिंग इलेक्ट्रॉनिक्स से भी भरा हुआ था जो रॉकेट और मिसाइल लॉन्च की निगरानी कर सकता है। जहाज को तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने आर्थिक संकट के बीच देश छोड़ने से एक दिन पहले डॉक करने की अनुमति दी थी। पिछले साल अगस्त में एक चीनी जहाज जो शोध पोत होने का दावा कर रहा था, कथित तौर पर पुनःपूर्ति के लिए कोलंबो बंदरगाह पर रुका था। हाओ यांग 24 हाओ वास्तव में एक चीनी युद्धपोत निकला। 129 मीटर लंबे इस जहाज पर 138 लोगों का दल सवार था और कमांडर जिन शिन इसकी कमान संभाल रहे थे। फिर अक्टूबर 2023 में श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने चीनी शोध पोत शि यान 6 को दो दिनों की अवधि के लिए अपने पश्चिमी तट पर निगरानी वाले समुद्री शोध में लिंक होने की अनुमति दी। संभावित जासूसी की आशंकाओं के बीच पुनर्पूर्ति के लिए कोलंबो में डॉक किए गए इस पोत को कड़ी निगरानी में शोध गतिविधियों के लिए अधिकृत किया गया था। यह निर्णय हिंद महासागर में चीन की बढ़ती उपस्थिति और श्रीलंका में इसके रणनीतिक प्रभाव से संबंधित भारत की सुरक्षा चिंताओं के जवाब में लिया गया था। इन घटनाक्रमों के बाद पिछले साल दिसंबर में तत्कालीन श्रीलंकाई विदेश मंत्री अली साबरी ने 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी एक साल की रोक की घोषणा की थी, जिसके तहत विदेशी जहाजों को देश के क्षेत्रीय जल में अनुसंधान करने की अनुमति दी जाएगी। साबरी ने कहा था, हमें कुछ क्षमता विकास करना है ताकि हम समान भागीदारों के रूप में इस तरह की शोध गतिविधियों में भाग ले सकें। हालांकि, एक ऐसे घटनाक्रम में जो नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय होगा, चीन ने अब कहा है कि वह हिंद महासागर में समुद्री अनुसंधान गतिविधियों को फिर से शुरू करेगा। भारत से लौटने के बाद 18 दिसंबर को कोलंबो में दिसानायके के साथ एक बैठक के दौरान, चीनी पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय समिति के उपाध्यक्ष किन बोयोंग ने समुद्री अनुसंधान को फिर से शुरू करने की बीजिंग की योजनाओं पर चर्चा की। श्रीलंकाई राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने कहा, किन बोयोंग ने कहा कि समुद्री अनुसंधान गतिविधियों को फिर से शुरू करने की योजना है, जो विभिन्न कारणों से अस्थायी रूप से रोक दी गई थी, साथ ही प्रासंगिक परियोजनाओं को शुरू करने की भी योजना है। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि चीनी कंपनियां हंबनटोटा निवेश क्षेत्र में खुद को स्थापित करने का इरादा रखती हैं, जिसका उद्देश्य श्रीलंका को बेहतर वैश्विक पहुंच प्रदान करना है। इसके बाद, कैबिनेट प्रवक्ता नलिंडा जयतिस्सा ने गुरुवार को इकोनॉमीनेस्ट डॉट कॉम समाचार पोर्टल से कहा कि प्रतिबंध में ढील दी गई है और विदेशी अनुसंधान जहाजों के अनुरोधों पर मामले के आधार पर विचार किया जाएगा, जिससे इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि कोलंबो इस मुद्दे को कैसे संभाल रहा है। हालांकि, श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने ऐसी सभी अटकलों को यह कहते हुए विराम दे दिया है कि स्थगन में ढील नहीं दी गई है और यह 31 दिसंबर तक जारी रहेगा। हेराथ ने कहा कि सरकार ने श्रीलंका में आने वाले सभी विदेशी जहाजों को संभालने के लिए एक राष्ट्रीय नीति और रूपरेखा तैयार करने के लिए एक समिति नियुक्त करने का फैसला किया है। हेराथ ने कहा हमने स्पष्ट रूप से कहा है और अब मैं यह भी कह रहा हूं कि हम इस मामले पर विचार करेंगे, न केवल चीनी अनुसंधान जहाजों के लिए, बल्कि सभी अनुसंधान जहाजों के लिए। यह निर्णय अगले साल जनवरी में दिसानायके की प्रस्तावित चीन यात्रा से पहले आया है। एक अनुभवी राजनेता होने के बावजूद, दिसानायके पहली बार हिंद महासागर के द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति बने हैं। उन्होंने नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव जीता। दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना या (जेवीपी) के नेता हैं, जो मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी एनपीपी का मुख्य घटक है।

नाकामयाब व्यक्तियों को खटकते हैं कामयाब लोग

महेश परिमल

आजकल हर तरफ एक अजीब-सा माहौल दिखता है। कोई किसी पर विश्वास ही नहीं करना चाहता। सभी एक-दूसरे को 'विश्वासी' न मानकर 'विश्ववासी' मान रहे हैं। एक अक्षर में अंतर के साथ कितना कुछ बदल जाता है। हर कोई आपस में परस्पर खटकने लगा है। खटकने की यह प्रक्रिया आंखों से शुरू होती है और व्यवहार में समा जाती है। आमतौर पर इंसान किसी की आंखों में तभी खटकता है, जब वह लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ता जाता है। लोगों की आंखों में खटकने के लिए हममें कई खूबियां होनी चाहिए। हमारी सफलता ही यह बताती है कि इसके लिए हममें कितनी खूबियों की जरूरत है। खटकने को लेकर एक पूरा मनोविज्ञान है। दुनिया में तीन प्रकार के लोग होते हैं। पहले तो वे जो हमारे लिए सकारात्मक सोच रखते हैं। ऐसे लोग हमें आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। पर ऐसे लोग बहुत कम संख्या में होते हैं। दूसरे प्रकार के लोगों की संख्या बहुतायत में होती है। वे नकारात्मक विचारों के होते हैं, जो हमारी सफलता के रास्ते पर बाधाएं उत्पन्न करते हैं। हम इन्हीं की आंखों में खटकते हैं। तीसरे वे होते हैं, जो उपर्युक्त दोनों प्रकार के लोगों की आशाओं पर पानी फेरने का काम करते हैं। ऐसे लोग ही बहुत खतरनाक होते हैं। जीवन में हमें इस प्रकार के लोग मिलते रहते हैं। कई बार हमारा कोई कुसूर न होने के बाद भी लोग आपकी पद-प्रतिष्ठा के कारण हमारे दुश्मन बन जाते हैं। वजह साफ है। वे लोग अपनी सारी कोशिशों के बाद भी हमारे स्थान पर नहीं पहुंच पाते। कामयाब इंसान की कामयाबी को देखकर ऐसे लोग ही उसके रास्ते पर अवरोध बनकर सामने आ जाते हैं। कामयाब इंसान के सामने कामयाबी हासिल करना ही मकसद नहीं होता। उसके मकसद में अड़े आने वालों से निपटना भी एक प्रकार की जंग ही है। कई बार इंसान ऐसे लोगों से ही लड़ते-लड़ते थक जाता है। वह अपनी कामयाबी का रास्ता भूल जाता है। पर कुछ लोग इससे अलग किस्म के होते हैं। वे ऐसे लोगों को अनदेखा कर केवल अपनी कामयाबी की ओर ही देखते हैं। ऐसे अलग किस्म के लोग बनना भी बहुत मुश्किल है, क्योंकि वे भी एक सामाजिक प्राणी है। उन्हें भी समाज के नियमों का पालन करते हुए अपने कर्तव्य निभाने हैं। अपने दुश्मनों को अनदेखा करना बहुत ही मुश्किल है। दूसरी ओर कई लोग इन्हीं दुश्मनों की वजह से आगे बढ़ जाते हैं। दुश्मन उसकी कमजोरियों का फायदा उठाना चाहते हैं। अनजाने में यही दुश्मन उसे उसकी कमजोरियों का अहसास दिलाते हैं। कामयाब इंसान इसे समझते हुए दुश्मनों को जवाब देने के बजाय अपनी कमजोरियों को दूर करने में अपनी पूरी ताकत झोंक देता है। अपनी कमजोरियों पर विजय प्राप्त करना कामयाब इंसान की पहचान होती है। इंसान जब कामयाबी के रास्ते पर चलता है, तब कई ताकतें उसे कमजोर करने में लग जाती हैं। अगर वह अपनी कमजोर होती ताकत की ओर देखेगा, तो निश्चित रूप से कमजोर हो जाएगा। इस कठिन रास्ते पर वे लोग ही चल पाते हैं, जिनकी आंखों के सामने उनकी मंजिल होती है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए लोगों के पास जुनून होता है। यही जुनून उसके दुश्मनों को उससे अलग करता है। हर कामयाब इंसान कभी न कभी कमजोर होता ही है। इसी कमजोरी से उसे ताकत हासिल करनी होती है। जो ऐसा करने में सक्षम होते हैं, सफलता उन्हीं के कदम चूमती है। कामयाब होने के बाद इंसान की सबसे बड़ी चुनौती होती है, उस कामयाबी को टिकाए रखना। आंखों में खटकना, यानी सफल होते व्यक्ति के दुश्मनों की संख्या बढ़ना। जो खटकता है, उसके दुश्मन बहुत होते हैं। यहां पर व्यक्ति आंखों में खटकता है, पर नाकामयाब व्यक्ति इसके लिए 'खटता' रहता है। उसकी पूरी कोशिश होती है कि सामने वाले को किस तरह से नीचा दिखाया जाए, ताकि उसकी आंखों का कांटा दूर हो सके। ऐसा भी नहीं है कि जो व्यक्ति उसकी आंखों में खटकता है, वह कहीं नाकामयाब हो जाए, तो उसका मिशन खत्म हो जाता है। असफल व्यक्ति की आंखों में कई लोग खटकते ही रहते हैं। एक गया, तो दूसरा आया। यह सिलसिला चलता ही रहता है। ऐसे लोग न तो अपना भला कर पाते हैं, न ही दूसरों का। उनका पूरा जीवन ही इसी में लगा रहता है कि कब किसे किस तरह से नीचा दिखाया जाए। दरअसल, कामयाब वही होते हैं, जो नाकामयाबी को अपना दोस्त मानते हैं। आंखों में खटकते वही हैं, जो सफलता की राह पर चलते रहते हैं। खटते वही हैं।

मर्यादा भूलते हमारे माननीय

शीतकालीन सत्र के समापन से एक दिन पूर्व संसद भवन के मकर द्वार पर जो हुआ, वह अकल्पनीय था। सत्ता पक्ष का आरोप है कि प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी अगुवाई में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसी सांसदों के धक्के से उनके दो लोकसभा सदस्य घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके विपरीत, कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने न केवल उनका रास्ता रोका, बल्कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को जबरदस्ती पीछे धकेलने की कोशिश की। इस धक्का-मुक्की से 82 वर्षीय बुजुर्ग खरगे के पैर में चोट आई है। दोनों पक्षों ने शिकायतें दर्ज करा दी हैं। मामला लोकसभा अध्यक्ष के अलावा संसद मार्ग थाने तक पहुंच गया है। तय है, बात निकली है, तो दूर तलक जाएगी। दोनों ही पक्ष अपने-अपने तरीके से बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के नाम को भुनाने की कोशिश करेंगे। बाबा साहेब का नाम एक वर्ग विशेष के वोट दिलाने वाला जो साबित होता है। इस सिलसिले में विस्तार से चर्चा के पहले घटना का संक्षिप्त ब्योरा। बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने वक्तव्य में डॉ आंबेडकर का जिक्र किया था। इस पर मल्लिकार्जुन खरगे का कहना था कि उन्होंने बाबा साहेब का अपमान किया। खरगे के उस ट्वीट ने वही काम किया, जो सूखे जंगल में चिनगारी करती है। देखते-देखते हर विपक्षी नेता ने अपने-अपने तरीके से गृह मंत्री के शब्दों की व्याख्या करनी शुरू कर दी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो जनता दल(यू) के नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अगुवा चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर मांग तक कर डाली कि वे आंबेडकर का अपमान करने वालों से खुद को अलग करें। यह सब तब हो रहा था, जब खुद अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना मंतव्य स्पष्ट कर चुके थे। राजनीति से वे दिन विदा हो गए हैं, जब कोई नेता अपने मन की बात सामने रखता था और दूसरा उसके मर्म को समझने का प्रयास करता था। जिन बाबा साहेब आंबेडकर के नाम पर यह हंगामा बरपा है, वह खुद सहनशीलता की मिसाल थे। ऐसा न होता, तो आंबेडकर उसी समय बोरिया-बिस्तर समेटकर अमेरिका रवाना हो गए होते, जब बड़ौदा में उन्हें एक पारसी सराय से धक्के मारकर सिर्फ इसलिए निकाल दिया गया था, क्योंकि वह दलित थे। यह हाल तब था, जब आंबेडकर को बड़ौदा के महाराज का राज्याश्रय प्राप्त था। इसके बावजूद पूरे शहर में कोई उनको अपना आवास देने को तैयार न था। नाम बदलकर वह उस सराय में ठहरे थे, लेकिन उनकी जाति छिपी न रह सकी और फिर लाठी-डंडों से लैस पारसियों के झुंड ने सराय पर हमला बोल दिया। डॉ आंबेडकर को अपना सामान और पुस्तकें समेटकर सारी रात एक पार्क के कोने में गुजारनी पड़ी थी। इतने बड़े अपमान के बावजूद उन्होंने पारसियों से नहीं, बल्कि हमेशा उस व्यवस्था से लड़ने की कोशिश की, जो मनुष्य को मनुष्य से जुदा करती है। यही वजह है कि उनके निधन के 68 वर्ष बाद आज हमारे माननीय अपने-अपने तरीके से उन पर हक जताने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा करते वक्त वे यह भूल गए हैं कि खुद उनके तौर-तरीकों को बाबा साहेब कभी जायज नहीं ठहरा सकते थे। हमारे माननीय सुविधापूर्वक भूल जाते हैं कि उनके मतदाताओं ने उन्हें इस आचरण के लिए नहीं चुना था। वोट डालते समय लोग अपनी भलाई और विकास चाहते हैं। क्या उन्हें यह हासिल हो पा रहा है? रोजगार, जलवायु, सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, महिलाओं का सम्मान और सभी वर्गों के समान विकास जैसे मुद्दों पर कभी आपने संसद में कोई गंभीर चर्चा सुनी है? एक समय था, जब मैं खुद लोकसभा और राज्यसभा टेलीविजन पर 'डिबेट्स' को लाइव सुना करता था। हालांकि, उस समय ऐसे लोग थे।

राहुल गांधी इंडिया ब्लॉक ममता बनर्जी को हैंडओवर कर दें: मणिशंकर अय्यर

आज का राशिफल

दमामी समाज द्वारा दो दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 28 से

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दमामी समाज मंदसौर द्वारा समाज की खेल प्रतिभाओं को आगे बडाने हेतु 28 व 29 दिसम्बर को दो दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन श्री पशुपतिनाथ मंदिर अतिथि गृह के पास वाले ग्राउण्ड चन्द्रपुरा पर किया जा रहा है। प्रतियोगिता हेतु तैयारियां की जा रही है तथा ग्राउण्ड को प्रतियोगिता हेतु तैयार किया जा रहा है। प्रतियोगिता हेतु समाज के युवाओं में उत्साह बना हुआ है।

दमामी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद पंवार ने बताया कि इस दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से 12 टीमें भाग ले रही है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 28 दिसम्बर को प्रात: 8.30 बजे अतिथियों की उपस्थिति में होगा। प्रतियोगिता की विजेता टीम को 11 हजार रू व ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 5551 रू. व ट्राफी, मैन ऑफ सीरीज का पुरस्कार दिया जाएगा। दमामी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद पंवार, समाज प्रमुख मांगीलाल काठा, निलेश दमामी, मनीष दमामी, त्रिलोक दमामी, ललित दमामी, राहुल दमामी, मनोज दमामी, बालाराम दमामी, भेरूलाल दमामी, तेजपाल दमामी, कचरूलाल दमामी, रमेश दमामी सहित समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने सभी समाजजनों से उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

रैली निकाल कर सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मेघवाल समाज विकास परिषद जिला संगठन के नेतृत्व में गरोठ तहसील के गाँव ढाकणी में महिला सुगनाबाई की दबंगो द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई । जिसमें आज तक मुख्य आरोपी फरार है, जिसको लेकर एवं लगातार हो रही घटना के रोकथाम के साथ साथ भारत सरकार के ग्रह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब को लेकर टिप्पणी की गई, जिस बयान को वापस लेने के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम बाबा साहब अम्बेडकर चौराहे पर एकत्रित होकर रैली के रूप में सुशासन भवन पर कलेक्टर महोदय के नाम तहसीलदार महोदय को ज्ञापन दिया गया।

इस अवसर पर प्रभुलाल सूर्यवंशी प्रदेश अध्यक्ष, श्यामलाल जोगचंद मल्हारगढ विधानसभा प्रत्याशी, राधेश्याम गौरवी जिला अध्यक्ष, प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी अजाक्स जिला अध्यक्ष, प्रिंस सूर्यवंशी आजाद समाज पार्टी, विजेश मालेचा, पवन रैदास भीम आर्मी जिला अध्यक्ष, मंगलेश सूर्यवंशी, राकेश सूर्यवंशी, गुफरान लाल आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष, सुंदर बडगोत सहित भारी संख्या में उपस्थित थे। यह जानकारी जिला सचिव राधेश्याम सिनम घटावदा द्वारा दी गई।

भेरूलाल देवड़ा बने युवा शिवसेना जिला प्रमुख

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विगत दिनों देवास में शिवसेना की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें भेरूलाल देवडा को युवा शिवसेना के मंदसौर जिलाध्यक्ष पद पर भेरूलाल देवडा को नियुक्त किया। जिससे मंदसौर जिले के शिवसेना कार्यकर्ताओं में उत्साह व्यक्त किया।

शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे के आशीर्वाद से संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री एकनाथ शिन्दे व युवा शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवेश प्रताप सर नाईक के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश युवा शिसेना के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग सोनार, राज्य उपप्रमुख रोहित शर्मा, प्रदेश सचिव दिनेश विश्वकर्मा, उज्जैन संभाग के वरिष्ठ मार्गदर्शक अशोक शर्मा की उपस्थिति में भेरूलाल देवडा जिला उपप्रमुख शिवसेना मंदसौर को युवा शिवसेना जिला प्रमुख का नियुक्ति पत्र प्रदानन किया गया। श्री देवडा ने मंदसौर जिले में सैकडों शिवसेना कार्यकर्ताओं को शिव सेना की सदस्यता दिलवाई थी और शिवसेना का गांव-गांव में ध्वज फहराया। शिवना के लिये दिन रात मेहनत की और पार्टी के वरिष्ठजनों का विश्वास अर्जित किया। इस अवसर पर नीमच जिला प्रमुख हरिश नायक, देवास जिला प्रमुख सुनील वर्मा, उज्जैन जिला प्रमुख, रतलाम, आगर, शाजापुर के शिवसैनिक जगदीश नायक, मुकेश नायक, संजू नायक, पप्पू नायक, राजू नायक, सुनील, दीपक, कृष्णा, दीपक नपायक मंदसौर सहित बडी संख्या में शिवसैनिक उपस्थित थे।

जन कल्याण अभियान में 8 हजार 286 आवेदनों में 5 हजार 359 आवेदनों का हो चुका निराकरण

जिले में ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर हो रहे शिविर आयोजित, लोगों को मिल रहा है केंद्र एवं प्रदेश सरकार की 63 सेवाओं का लाभ

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक जन कल्याण अभियान संचालित हो रहा है। जन कल्याण अभियान के तहत जिले में शिविरों के माध्यम से 8 हजार 286 हितग्राहियों के आवेदनों प्राप्त हुए जिसमें से 5 हजार 359 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। जनकल्याण अभियान में केन्द्र और राज्य सरकार की हितग्राही मूलक और लक्ष्य आधारित 45 योजनाओं की 63 सेवाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। इन योजनाओं के लाभ से वंचित रहे पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें हितलाभ दिया जा रहा है।

जिसके तहत जिले में ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिया जा रहा साथ ही शिविर में प्राप्त आवेदनों को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। शिविर लगाने के एक दिन पहले ग्राम में घर-घर जाकर दल द्वारा सूचना भी दी जा रही हैं। ग्राम पंचायत/वार्डवार गठित दलों द्वारा शिविर और योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी हितग्राहियों को दी जा रही।

इन हितग्राहीमूलक योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को जोड़ा जायेगा– मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में जिन 45 हितग्राही मूलक योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को जोड़ा जा रहा है, उसमें दिव्यांग छात्रवृत्ति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, छः वर्ष से अधिक आयु के बहुविकलांग और मानसिक रूप से अविकसित निःशक्तजन के लिए सहायता अनुदान योजना, निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना, मुख्यमंत्री निःशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मध्यप्रदेश निःशक्त छात्र/छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा में दी जाने वाली फीस, निर्वाह भत्ता, परिवहन भत्ता योजना, शत-प्रतिशत श्रवण एवं दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए आवास सहायता योजना, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, निर्माण श्रमिकों का पंजीयन (भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल), म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत भवन संनिर्माण श्रमिकों का पंजीयन, प्रसूति सहायता योजना का लाभ प्रदान करना, विवाह सहायता योजना का लाभ प्रदान करना, मृत्यु की दशा में अनुग्रह सहायता योजना का लाभ प्रदान करना, निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटना की स्थिति में स्थायी अपंगता होने पर सहायता प्रदान करना, निर्माण स्थल पर कार्य के दौरान अपंजीकृत श्रमिक की मृत्यु की दशा में अंत्येष्टिएवं अनुग्रह राशि योजना और राज्य लोक सेवा आयोग एवं संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता पर पुरस्कार योजना शामिल है। इसी प्रकार लक्ष्य आधारित योजनों में पीएम स्वनिधि, राष्ट्रीय पशुधन मिशन (उद्यमिता विकास), किसान क्रेडिट कार्ड (पशुपालन), किसान क्रेडिट कार्ड (कमर्शियल बैंकों के माध्यम से), किसान क्रेडिट कार्ड (सहकारी बैंकों के

माध्यम से), किसान क्रेडिट कार्ड जारी करना, मछुआ क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता ऋण योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना एवं मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पर डॉप मोर क्रॉप अंतर्गत माइक्रो इरीगेशन एवं अंडर इण्टरवेंशन और खाद्य प्र-संस्करण उद्योगों के लिए विशिष्टवित्तीय सहायताएँ एवं व्यावसायिक उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती को प्रोत्साहन योजना शामिल है।

इन समस्याओं का हो रहा निराकरण– जन कल्याण अभियान में आमजन से जुड़ी 63 शासकीय सेवाओं से संबंधित आवेदकों की समस्याओं का निराकरण भी किया जा रहा है। इन सेवाओं में चालू खसरा/खतौनी की प्रतिलिपियों का प्रदाय, चालू नक्शा की प्रतिलिपियों का प्रदाय, अविवादित नामांतरण करना, अविवादित बंटवारा करना, नक्शा शुद्धिकरण पखवाड़े के तहत कार्रवाई, सीमांकन प्रकरणों का निराकरण, कानूनी बाध्यता के कारण स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र जारी करना, कानूनी बाध्यता के कारण आय प्रमाण-पत्र प्रदाय करना, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए जाति प्रमाण पत्र प्रदाय करना, अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जाति प्रमाण पत्र प्रदाय करना, विमुक्त, घुम्मकड़ एवं अर्द्ध घुम्मकड़ जाति के लिए जाति प्रमाण-पत्र प्रदाय करना, जाति प्रमाण पत्र में जन्मतिथि आधार और समग्र नंबर में सुधार करने के लिए कार्यवाही, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अभ्यार्थियों को आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र जारी करना, विकलांगता प्रमाण-पत्र दिया जाना, आवेदक की आयु का चिकित्सीय सत्यापन, मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के प्रकरण स्वीकृत किया जाना, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में -निम्न दाब के व्यक्तिगत स्थाई नवीन कनेक्शन के लिए मांग पत्र प्रदान करना जहाँ ऐसा कनेक्शन वर्तमान नेटवर्क से संभव है, मांग-पत्र अनुसार राशि जमा करने के बाद वर्तमान नेटवर्क से निम्न दाब स्थाई नवीन कनेक्शन प्रदान करना, मीटर/सर्विस लाइन अथवा मीटर की परिसर में ही शिफ्टिंग के लिए मांग पत्र जारी करना, मांग पत्र अनुसार राशि जमा करने के उपरांत मीटर/सर्विस लाइन अथवा मीटर की परिसर में ही शिफ्टिंग करना, मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति/जनजाति आकस्मिकता योजना नियम। इसी तरह नामांकन/माइग्रेशन प्रमाण पत्र प्रदान करना, प्रोविजन उपाधि/डुप्लीकेट अंकसूची प्रदान करना, अंकसूची में सुधार/नाम/उपनाम (सरनेम) सुधार करना, स्थानांतरण प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, हम्माल (मंडी) को अनुज्ञप्ति प्रदान करना, तुलावटी (मंडी क्रत्यकारी अर्थात अस्थायी कर्मचारी) को अनुज्ञप्ति प्रदान करना, व्यापारी (मंडी क्रत्यकारी) को अनुज्ञप्ति प्रदान करना, पक्का आढतिया (मंडी क्रत्यकारी) को अनुज्ञप्ति प्रदान करना, प्र-संस्करणकर्ता/विनिर्माता (मंडी क्रत्यकारी) को अनुज्ञप्ति प्रदान करना, फल-सब्जी व्यापारी (मंडी क्रत्यकारी) को अनुज्ञप्ति प्रदान करना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान साख पत्र जारी करना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान साख पत्र जारी करना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान साख पत्र का नवीनीकरण, उपाधि प्रमाण पत्र, डुप्लीकेट उपाधि प्रमाण पत्र/अंकसूची, अस्थायी उपाधि प्रमाण पत्र, माइग्रेशन प्रमाण पत्र, अंकसूची एवं अन्य प्रमाण पत्रों में नाम सुधार, फल-पौध रोपणी की अनुज्ञप्ति जारी करना एवं उसका नवीनीकरण करना।

लर्निंग ड्रायविंग लायसेंस जारी करना, ड्रायविंग लायसेंस का नवीनीकरण, वाहन पंजीयन का नवीनीकरण, ग्रामीण क्षेत्रों में भवन निर्माण के लिए अनुज्ञा पत्र, जन्म के 1 वर्ष के पश्चात् पंजीयन के लिए अनुमति, मृत्यु के 1 वर्ष के पश्चात् पंजीयन के लिए अनुमति, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, जन्म प्रमाण में बच्चे का नाम जुडवाना, जहां तकनीकी रूप से साध्य हो वहां नवीन नल कनेक्शन के लिए मांग पत्र प्रदाय किया जाना, मांग-पत्र अनुसार राशि जमा करने पर नवीन नल कनेक्शन प्रदान करना, नगरीय क्षेत्रों के हैंडपंप एवं ट्यूबवेल का सुधार, भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र, फायर एन.ओ.सी. नवीनीकरण, ट्रेड लाइसेंस, विकास अनुज्ञा के लिए समय-सीमा का विस्तार, अविवादित संपत्ति का हस्तांतरण का नामांतरण (मृत्यु प्रकरण), अविवादित संपत्ति का हस्तांतरण क्रेता-विक्रेता के मध्य आपसी विलेख उपरांत, भवन निर्माण के लिए स्वीकृति आदेश जारी करना (आवासीय), नो-ड्यूज प्रमाण पत्र जारी करना, जहां तकनीकी रूप से साध्य हो वहां नवीन सीवर कनेक्शन प्रदाय किया जाना और भवन अनुज्ञा का कार्य पूर्णता का प्रमाण पत्र जारी करने का कार्य भी जनकल्याण अभियान में किया जा रहा है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन खेल और युवा कल्याण विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, राष्ट्रीय सेवा योजना मंदसौर द्वारा 24 दिसंबर को कुशाभाऊठाकरे सभाग्रह में प्रातः 10 बजे से आयोजित हुआ, इसके समापन के मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंसीलाल गुर्जर, जिला पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द, सांसद प्रतिनिधि श्री बंसीलाल राठौर के मुख्य आतिथ्य और जिला खेल अधिकारी श्री विजेन्द्र देवडा, नेहरू युवा केन्द्र जिला अधिकारी श्री अभिलाष म्हस्के, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री दारा सिंह चौधरी, एन.एस.एस. अधिकारी श्री सूर्यवंशी, श्री अनिल आर्य की उपस्थिति में हुआ।

प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक संयोजन और संचालन जिला एथलेटिक्स कोच श्री मुकेश भटेवरा ने किया। युवा उत्सव प्रतियोगिता में 15 से 29 आयु के युवा प्रतिभागियों ने भाग लेकर भाषण प्रतियोगिता में प्रथम भूपेंद्र सिंह, द्वितीय खुशी शर्मा, तृतीय भारत मीणा, कविता लेखन में प्रथम मोहित गिर, द्वितीय सतपाल सिंह, तृतीय प्राची सोनी, चित्रकला में प्रथम भास्कर द्वितीय पलक, तृतीय अमरीन, विज्ञान मेला (समूह) प्रथम क्रिश जैन ग्रुप, द्वितीय राहुल शर्मा ग्रुप, तृतीय लोकेश ग्रुप, विज्ञान मेला (एकल) में प्रथम निर्मल सेन, द्वितीय वंदना लोहार, तृतीय मोहित मोबाइल फोटोग्राफी में प्रथम रितेश गोस्वामी, द्वितीय आदित्य पंवार, तृतीय फैजान मोहम्मद, सांस्कृतिक नृत्य (समूह) में प्रथम निशा जैन ग्रुप, द्वितीय जान्हवी ग्रुप, तृतीय रविराज ग्रुप, कहानी लेखन में प्रथम सुधांशु भावसार, द्वितीय हिमांशु पांडेय, तृतीय आशुतोष जजावरा, लोकगीत समूह प्रथम देवांश मालवीय ग्रुप, द्वितीय गणेश उपाध्याय ग्रुप, तृतीय देव कनेरिया ग्रुप रहे, सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि, ट्रॉफी, और प्रमाण पत्र देकर मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया, इनमें से चयनित प्रतिभागी आगामी संभागीय युवा उत्सव प्रतियोगिता में भाग लेंगे, प्रतियोगिता आयोजन में खेल और युवा कल्याण विभाग के खेल प्रशिक्षक, युवा समन्वयक, नेहरू युवा केन्द्र एवं एन.एस.एस. के कर्मचारियों और वालेंटियर्स ने भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

टीबी अभियान में ग्रामीणों का किया जा रहा एक्सरे

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में जिले के ग्राम पंचायतों में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी रथ गांव-गांव में भ्रमण कर रहा है एवं ग्रामीणजनों को टीबी की जानकारी के बारे में जागरूक किया गया। किसी को खासी, छाती में दर्द , 60 वर्ष से अधिक के बुजुर्ग को एक्सरे किया गया। साथ ही 70 वर्ष से अधिक वर्ष के बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड बनायें गये।

डिप्टी सीएम के जिले में पीड़ितों को न्याय नही मिलना दुर्भाग्यपूर्ण-सिसौदिया

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। डिप्टी सीएम के जिले में एवं विधानसभा क्षेत्र मल्हारगढ में पीड़ितों को न्याय नही मिलने पर उन्हें लौटन यात्रा कर कलेक्टर की जनसुनवाई में न्याय की गुहार लगाना पड रही है वही दूसरी तरफ न्याय नही मिलने पर गरोठ क्षेत्र की महिला ने कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान जहर खालिया।

बुधवार को मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे परशुराम सिसौदिया ने जिला चिकित्सालय में भर्ती रामकन्या बाई पति राधेश्याम बागरी के स्वास्थ की जानकारी लेते हुए कही उक्त बात कहि।सिसौदिया ने कहा कि शांति के टापू मल्हारगढ क्षेत्र में अवैध कारोबार फलफूल रहा है

अपराधियो के हौसले बुलंद है क्षेत्र में दिन दहाड़े गोलियां चल रही है आमजन अपने आपको अशुरक्षित महसूद कर रहा है महिलाओं पर अत्याचार दिन प्रतिदिन बढ रहे है सत्ता के दबाव में पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है।सबसे बड़े घोटाले व भ्रष्टचार राजस्व विभाग एवं मल्हारगढ नगर परिषद में होरहा है कई शिकायतो के बावजूद समन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी डिप्टी सीएम जगदीश जी देवडा की कृपा से वही जमे होकर खुलकर भ्रष्ट्राचार कर रहे है।सिसौदिया ने कहा कि जनता छोटे छोटे कामो के लिए भटक रही है उन्हें न्याय नही मिल रहा है। इस मौके पर मल्हारगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, धुँधडका ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल विश्वकर्मा, मंडलम अध्यक्ष दिनेश गुप्ता काचरिया, युवक कांग्रेस नेता विनोद पटेल, मंडलम अध्यक्ष कन्हैयालाल गुर्जर, नीरज पाटीदार आदि मौजूद थे।

पूर्व मंत्री व जिला कांग्रेस प्रभारी श्री जयवर्धन सिंह कल मंदसौर में

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पूर्व मंत्री व जिला कांग्रेस प्रभारी श्री जयवर्धन सिंह जी व सह प्रभारी पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष उज्जैन श्री हेमंत जी चौहान, जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पर दिनांक -27 दिसंबर 2024 शुक्रवार को दोपहर 1:00 बजे जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। आगे की जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने बताया कि इस बैठक में पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजनजी व जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक श्री विपिन जैन व मंदसौर लोकसभा से प्रत्याशी रहे श्री दिलीप सिंह गुर्जर भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और उनका भी मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस बैठक में मंदसौर जिले के सभी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ जन, पूर्व विधायक गण, पूर्व विधानसभा प्रत्याशिगण ,जिला कांग्रेस पदाधिकारी गण, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षगण व पदाधिकारी गण, मोर्चा संगठन के अध्यक्ष गण व मंडलम सेक्टर, अध्यक्ष गण व सभी कांग्रेस कार्यकर्ता इस बैठक में शामिल होंगे।

श्री हनुमन्त कथा की तैयारियां अंतिम चरण में, बैठकें कर बांटे जा रहे है पत्रक

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 29 दिसम्बर से 4 जनवरी तक नरसिंहपुरा स्थित कुमावत धर्मशाला में संगीतमय सात दिवसीय श्री हनुमंत कथा होने जा रही है। प.पू. हनुमान सेवक पं. श्री दिलीप व्यास प्रतिदिन दोप. 1 से सायं 4 बजे तक श्री हनुमंत कथा का श्रवण करायेंगे। पं. दिलीप व्यास कई नगरों एवं गावों में भागवत कथा, श्री राम कथा कर चुके है वे नरसिंहपुरा की कुमावत धर्मशाला में में श्री हनुमंत कथा करायेंगे। कथा के शुभारंभ अवसर पर दिनांक 29 दिसम्बर को प्रात: 11 बजे पोथी यात्रा श्रीराम जानकी मंदिर नरसिंहपुरा से प्रारंभ होगी तथा कुमावत धर्मशाला पहुंचेगी। इसके बाद दोप. 1 बजे से प्रतिदिन श्री हनुमंत कथा के प्रसंगों का श्रवण करायेंगे। वे 29 दिसम्बर को श्री हनुमंत कथा का महत्व, 30 दिसम्बर को शिव पार्वती विवाह, 1 जनवरी को हनुमान जन्मोत्सव का प्रसंग श्रवण करायेंगे तथा इसके बाद वे 3 जनवरी को सीता स्वयंवर व 4 जनवरी को हनुमानजी की लीलाओं का वर्णन श्रवण कराया जावेगा। श्री हनुमंत भक्त मण्डल, भागवत ज्ञान सागर सेवा समिति, सामाजिकसमरसता मंच विहिप, जिला धार्मिक उत्सव समिति, श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक संस्था के द्वारा आयोजित इस कथा में अधिकाधिक धर्मालुजनों की संख्या सुनिश्चित हो, इसके लिये नरसिंहपुरा एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में संस्थाओं के द्वारा निरंतर बैठके की जा रही है तथा कथा के पत्रकों का वितरण कियाजा रहा है। कल नरसिंहपुरा क्षेत्र में साप्ताहिक रूप से निकलने वाली बालाजी की ध्वजा यात्रा के दौरान श्री हनुमंत कथा के पत्रकों का वितरण किया गया। बालाजी की ध्वजा यात्रा में शामिल कुमावत समाज के युवाओं की टोली के साथ कथा आयोजन से जुड़े वरदीचंद कुमावत, कैलाश पालीवाल, अंकुश पालीवाल, जितेन्द्र पाटीदार, अभिजीत मण्डलोई, भरत ओझा, रविन्द्रसिंह जादोन, प्रमोद चौरडिया, रामावतजी, पूजा ठाकुर, मीनाक्षी पंवार, रेखा जोशी आदि ने कथा के पत्रकों का वितरण किया। ध्वजा यात्रा के समापन पर पं. दिलीपजी व्यास ने नरसिंहपुरा कुमावत धर्मशाला पहुंचकर बालाजी के मंदिर में आरती भी की।

धनगर गायरी समाज की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। धनगर गायरी समाज जिला मंदसौर की बैठक समाज के मंदिर मेनपुरिया में सम्पन्न हुई जिसमें नवीन जिला कार्यकारणी आगामी दो वर्ष के लिए गठन करने के लिए बैठक में उपस्थित समाजजनों के द्वारा सर्व प्रथम दिनांक 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक सम्पूर्ण जिले में सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। जिसमें सदस्यता शुल्क प्रत्येक सदस्य से 500 रू. निधारित किया गया है। जिला अध्यक्ष का निर्वाचन 9 फरवरी 2025 को सम्पूर्ण जिले का एक ही स्थान पर एक ही दिन में सदस्यों द्वारा सम्पन्न होगा। सभी तहसीलों के लिये सदस्यता प्रभारी नियुक्त किये गये। बैठक में समाज के वरिष्ठ विक्रम विद्यार्थी, कचरूलाल चडावत, रामलाल धनगर, बद्रीलाल धनगर, महेश धनगर, भेरूलाल धनगर, ईश्वरलाल धनगर, राधेश्याम धनगर, बसंतीलाल धनगर, डॉ. निर्मल धनगर, दिनेश धनगर आदि समाज जन उपस्थित हुए। यह जानकारी अम्बालाल धनगर साबाखेडा ने दी।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के बनाए जाएंगे प्रमाण पत्र

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित कर बनाए जाएंगे श्र शिविर प्रातः 10:00 बजे से 4:30 तक जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा दिव्यांग छात्र, छात्राओं एवं ग्राम में अन्य दिव्यांग जनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे। सिविल हॉस्पिटल भानपुरा में 2 जनवरी को, सिविल हॉस्पिटल गरोठ में 4 जनवरी को, सिविल हॉस्पिटल सीतामऊमें 7 जनवरी को, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हारगढ में 11 जनवरी को एवं जनपद पंचायत सभागृह मंदसौर में 16 जनवरी को दिव्यांग जनों के प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे।

हिन्दू युवा वाहिनी ने तुलसी पूजन दिवस मनाया

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सनातन धर्म में तुलसी का बडा महत्व हैं। तुलसी माता हर सनातनी के घर में होती है जिनका पूजन एवं जल चढ़ाकर रोज सनातनी परिवार सनातन वैदिक धर्म की परम्परा का निर्वहन करते हैं। दिनांक 25 दिसम्बर को हिन्दू युवा वाहिनी देशभर में तुलसी पूजन दिवस मनाकर सनातन धर्म को मजबूती प्रदान कर युवा पीढी को अपने सनातन धर्म का महत्व बताने का प्रयास करती है। इसी क्रमांक में 25 दिसम्बर को देशभर के साथ मध्यप्रदेश हिन्दू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी चैतन्य सिंह राजपूत के नेतृत्व में विधि विधान से तुलसी माता का पूजन किया गया। नारायणगढ में बालाजी मंदिर पर पुजारी चंद्रप्रकाश जी बैरागी द्वारा सबसे पहले

उपस्थित युवाओं एवं पदाधिकारियों का तिलक निकालकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात् विधि विधान से तुलसी माता का पूजन किया गया। प्रदेश प्रभारी चैतन्य सिंह राजपूत ने भी तुलसी माता का पूजन किया। आपको बता दें की हिन्दू युवा वाहिनी एक गैर राजनितिक संगठन है जो सिर्फ अपने सनातन धर्म एवं राष्ट्र के लिए जमीनी स्तर पर कार्य कर रहा है। नारायणगढ में संगठन का यह पहला आयोजन था जिसमें युवाओं ने बढ चढकर भाग लिया। इस अवसर पर विशेष रुप से दीपक खारोल, राहुल यादव, विशाल पाटीदार, कालू कोराना, दीपक प्रजापति, चंदू बैरागी, सचिन यादव, लखन रॉयल आदि उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त नीमच अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

नीमच, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। क्रिसमस के अवसर पर बुधवार को जिला क्षय केंद्र नीमच द्वारा आशीष चर्च नीमच में टी.बी.मुक्त नीमच अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। विदित हो, कि 7 दिसंबर से मध्यप्रदेश के 23 जिलों के साथ नीमच में भी 100 दिवसीय नि-क्षय दिवस का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमे प्रारंभिक लक्षणों का निदान कर टी.बी. का इलाज किया जा रहा हैं।

इस अवसर पर चर्च के फादर द्वारा नीमच से टी.बी.की बीमारी ख़तम होने की प्राथना की। जिला क्षय अधिकारी डॉ.मनीष यादव ने टी.बी.के लक्षणों की जानकारी दी और अनुरोध किया, कि यदि कोई टी.बी.के लक्षण वाला मिले, उसकी तुरंत सरकारी अस्पतालों में निशुल्क जाँच करवाए और टी.बी.निकलने पर निशुल्क उपचार के साथ साथ 1000 प्रति माह, पोषण आहार हेतु मानदेय व फ़ूड बास्केट प्राप्त करें। इस अवसर पर जिला क्षय स्टॉफ भी उपस्थित था।

मिथक तोड़ने व गढ़ने में अटल..

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अटलबिहारी वाजपेयी जैसा कि नाम में ही जिनका पूरा जीवन व्रत समाहित हे। इस शख्सीयत में राष्ट्रवादी विचारो के प्रति अटल विश्वास और अडिगता कूट कूट कर भरी हे और उसे कार्यरूप में परिणीत करने का अदम्य साहस हिलोरे मारता हे। बातो और विचारो को जन जन तक पंहुचाने वाला सहृदय कवी राष्ट्रसेवा के लिए चिंतन त्याग के साथ ही जरूरत पडने पर प्रतिकार लेने का माद्दा जिनमे हमेशा रहा। प्रेरणा पुरुष बनकर पक्ष विपक्ष में समान भाव से आदर पाने वाले देदीप्यमान चरित्र वाले और एक प्रयोगधर्मी राजनेता जो भारतीय राजनीति के पक्ष विपक्ष में रहकर रहकर दशा दिशा बदलने में प्रथम प्रेरक पुरुष बने। जिन्होंने जीवन के ध्येय पथ पर आगे बडना ही राजनेताओं को राष्ट्र सेवा गुरुमंत्र के रूप में सिखाई। वे संभवतया अपने राजनेतिक जीवन के विभिन्न पडावों में राष्ट्र को गोरवांतित करने का अवसर प्रदान करने वाले राजनेता सिद्ध हुए। जबकि आज ऐसा होना दुर्लभ हे इसलिए कहा गया हे की व्यक्ति को उसके विचार और कार्य महान बनाते हे तभी वह राष्ट्र के लिए प्रेरणा पुरुष बनता हे। राजनीति में ऐसे लोग बिरले ही होते हे जिनका प्रशंसक स्वयं के दल में ही नही बल्कि विपक्षी दलो में भी बडी संख्या में होते हे। यह प्रशंसक किसी स्वार्थवश नही अपितु उनका व्यक्तित्व और कार्य के प्रति उनमें अपार संभावनाएं देखते हे। अटल जी का व्यक्तित्व सरल हे तभी तो उन्होने कांग्रेस पार्टी के इस मिथक को तोडा की गठबंधन सरकारे स्थायित्व की गारंटी नही हे। अटलजी देश के पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होने गेर कांग्रेसी सरकार चलाकर पूरे पांच वर्ष पूर्ण कर के भी दिखाए। यह जवाबदेही उस समय और अधिक बड जाती हे जब उसमे 24 दलो का गठबंधन हो। अटल जी ने इन घटको को एक सूत्र में पिरोकर पांच वर्ष राष्ट्रधर्म निभाया। अटलजी के शासन की सबसे बडी उपलब्धि थी की उन्होने देश के सबसे बडे पद पर राष्ट्रपति के लिए गैर राजनेतिक व्यक्तित्व डा ए पी जे अब्दुल कलाम को आगे बढाया। अटल जी ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में अपना उदबोधन देकर भारत माता के भाल पर हिंदी के सम्मान की बिंदी लगाई। अटलजी ने पोखरण में परमाणु परीक्षण कर अंतराष्ट्रीय स्तर पर इस बात का संकेत दिया की भारत को कमजोर न समझा जाए। पाकिस्तानी घुसपैठियों को बिना किसी दबाव में आकर खदेडने के लिए अटल जी ने कारगील युद्ध का शंखनाद किया। अटल जी ने अपने कार्यकाल में कई मिथक तोडे जिनकी संभावनाएं दूर दूर तक नजर नही आती थी। समाज सेवा, राष्ट्रसेवा से लेकर निजी जीवन तक में उन्होने मातृभूमि की सेवा का ही संकल्प दोहराया हे। अटल जी ने किसी भी मुद्दे पर हार नही मानी उन्होने अपनी कविता हार नही मानूंगा रार नही ठानूंगा को अपने राजनेतिक जीवन में हर कदम पर सच साबित कर दिखाया। ऐसे बहुमुंखी प्रतिभा के धनी भारत रत्न अटल बिहारी वाजपई जी का पूरा जीवन प्रेरणाओ का बडा ग्रंथ हे जिसे जो नेता दल जितना पडकर आत्मसात कर के आगे बढेगा वह उतने ही सटीक तरीके से राष्ट्रधर्म निभा पाएगा क्योंकि अटल जी ने केवल राष्ट्रधर्म का पाठ ही नही पढाया उसे निभाया भी हे।

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

एडिफाय शिशुवन स्कूल के छात्र ने बास्केटबॉल नेशनल प्रतियोगिता में...

मेडल प्राप्त कर बढ़ाया गौरव

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान एडिफाय शिशुवन विद्यालय के छात्र का राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने पर स्कूल परिवार द्वारा भव्य स्वागत किा गया। एडिफाय शिशुवन विद्यालय के कक्षा 9वी के छात्र युवराज सिंह भदौरिया ने 49वी राष्ट्रीय स्तरीय सब जूनियर बास्केटबॉल प्रतियोगिता जो कि 16 दिसम्बर से 22 दिसम्बर तक हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित हुई भाग लेकर काँस्य पदक प्राप्त कर वापस आने पर विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री डॉ आदित्य पांडेय, समन्वयक अर्जुन सिंह राठौड, रोहित सतिदासनी और सभी खेल शिक्षकगण और समस्त विद्यालय परिवार ने अपनी शुभकामनाये प्रेषित की एवं छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर छात्र के माता पिता का भी छात्र की इस उपलब्धि पर विशेष रूप से सम्मान किया गया।

प्रधानमंत्री 27 को वर्चुअली स्वामित्व योजना के अधिकार अभिलेख वितरीत करेंगे

नीमच, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 27 दिसम्ब्र को स्वामित्व योजना के तहत आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्वामित्वो योजना के लाभार्थियों से चर्चा करेंगे और इलेक्ट्रोनिक माध्यम से हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण करेंगे। इस अवसर पर टाउनहॉल नीमच में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा हैं। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जावेगा।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को आयोजित जिला अधिकारियों की बैठक में जिला स्तरीय कार्यक्रम तैयारियों की समीक्षा की और विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौपें। कलेक्टर ने कार्यक्रम में आमजनों की अधिकाधिक उपस्थिति एवं सहभागिता का दायित्व जिला पंचायत सीईओ, एस.डी.एम. नीमच, जनपद सी.ई.ओ. नीमच को सौंपा हैं। बैठक में प्रोटोकाल व्यवस्थास, कार्यक्रम स्थल पर बैठक व्यवस्था, मंच व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, लोकार्पण व्यवस्था, सीधा प्रसारण के लिए एलईडी की व्यवस्थाय आदि दायित्व भी अधिकारियों को सौंपे हैं। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सौपे गये दायित्वों का समय-सीमा में तत्परतापूर्वक निवर्हन कर कार्यक्रम के सफल आयोजन के निर्देश दिए हैं।

शिवना घाट पर गंगा की तर्ज पर की गई शिवना मैया की महाआरती

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना के अंतर्गत शिवना बैराज परियोजना का निर्माण होने जा रहा है। जिससे आम नागरिकों में बहुत खुशी का माहौल है। खुशी को इजहार करने के लिए आज भगवान पशुपतिनाथ मंदिर स्थित घाट पर शिवना मैया की महाआरती का आयोजन संध्या 6:30 बजे बनारस से होने वाली गंगा आरती की तर्ज पर किया गया। आरती के साथ ही घाट पर दीप प्रज्वलन, लाइट शो, 1 हजार लैंप उडाए गए। इसके साथ ही घाट पर भव्य आतिशबाजी की गई। उक्त आयोजन को देखने के लिए बडी संख्या में लोग शामिल हुए। आतिशबाजी एवं अन्य गतिविधियों को देखकर लोग बहुत खुश हुए। इस दौरान सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, विधायक श्री विपिन जैन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, सभी जिलाधिकारी, कर्मचारी, बडी संख्या में आम नागरिक, पत्रकार मौजूद थे।

मनुष्य की निष्ठा और भक्ति अडिग हो तो कोई भी बाधा उसे अपने लक्ष्य से विचलित नहीं कर सकती-पं. शर्मा

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। ध्रुव और प्रह्लाद जैसे पौराणिक चरित्रों का उल्लेख करते हुए बताया कि यदि मनुष्य की निष्ठा और भक्ति अडिग हो, तो कोई भी बाधा उसे अपने लक्ष्य से विचलित नहीं कर सकती। दोनों ने अपनी भक्ति से यह सिद्ध किया कि सच्ची श्रद्धा और समर्पण में इतनी शक्ति होती है कि स्वयं ईश्वर भी सहायता के लिए अवतरित हो जाते हैं। मंदसौर में लाल घाटी रोड स्थित अमर शांति रिसोर्ट में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान गंगा कथा का तीसरा दिवस अत्यंत भावमय और प्रेरणादायक रहा। श्रद्धेय विष्णु जी शर्मा ने व्यास पीठ से उपस्थित श्रद्धालुओं को जीवन, भक्ति और अध्यात्म का मार्गदर्शन प्रदान किया। उनकी ओजस्वी वाणी ने श्रोताओं को आत्मीयता और गहराई से छुआ।

श्रद्धेय विष्णु जी शर्मा ने जीवन के सरल लेकिन प्रभावी संदेशों को साझा करते हुए कहा कि मनुष्य को देने की आदत विकसित करनी चाहिए और प्री में कुछ नहीं लेना चाहिए। उन्होंने गुरु-शिष्य संबंधों पर जोर देते हुए बताया कि स स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख करते हुए श्रद्धेय विष्णु जी शर्मा ने उनके ओजस्वी व्यक्तित्व और भारतीय संस्कृति के प्रति उनके योगदान को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में स्वामी जी द्वारा दिए गए उस ऐतिहासिक भाषण को याद किया, जिसकी शुरुआत अमेरिका के भाइयों और बहनों शब्दों से हुई थी। यह उद्घोषणा न केवल सभागार में उपस्थित लोगों के हृदय को छू गई, बल्कि पूरे विश्व को भारतीय संस्कृति, सहिष्णुता और सार्वभौमिक भाईचारे के संदेश से परिचित कराया। अपने भाषण में स्वामी विवेकानंद ने कहा, मैंउस धर्म का अनुयायी हूं, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढाया। हम केवल सार्वभौमिक सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, बल्कि हम सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। विष्णु जी शर्मा ने बताया कि स्वामी विवेकानंद ने अपने विचारों और शब्दों से पश्चिमी दुनिया को भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति की महानता से परिचित कराया। उनका यह भाषण भारतीय संस्कृति की सहिष्णुता और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक बना। श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिवस पर बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा स्थल पर भक्तों ने श्रद्धा के साथ प्रवचन का श्रवण किया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। कथा का यह आयोजन श्रद्धालुओं को न केवल आध्यात्मिक रूप से प्रेरित कर रहा है, बल्कि उनके जीवन में नए दृष्टिकोण भी ला रहा है। इस कथा आयोजन में उपस्थित जनसमूह को भक्ति, समर्पण और जीवन मूल्यों की दिशा में चिंतन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री ने नीमच जिले में 22 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमिपूजन किया

नीमच, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रय मोदी ने छतरपुर जिले के खजुराहो में आयोजित कार्यक्रम से राजगढ जिले में 22 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमिपूजन किया। उक्त कार्यक्रम का जिला पंचायत सभागार में लाइव प्रसारण देखा हुआ सुना गया। नीमच जिले की मनासा जनपद के ग्राम भाटखेडी खुर्द, ग्राम रावतपुरा, नीमच जनपद के ग्राम जागोली में विधायक श्री दिलीप सिह परिहार की उपस्थिति में सुशासन सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी के उदबोधन को सभी ने देखा व सुना।

भाजपा ने मनाई पं.अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती

सांसद गुप्ता, विधायक डंग, सिसोदिया, पूर्व विधायक सिसोदिया ने की सहभागिता

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी मंदसौर जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया एवं सुशासन दिवस के कार्यक्रम के जिला प्रभारी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा के नेतृत्व में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पं.अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती सुशासन दिवस के रूप में जिले के सभी 21 मण्डलों में मनाई गई। जिले के समस्त पदाधिकारीगण एंव जनप्रतिनिधि विभिन्न मंडलो में पंहुचे। सांसद सुधीर गुप्ता ने मंदसौर विधानसभा के मंदसौर उत्तर मंडल में मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, विधायक हरदीपसिंह डंग सुवासरा विधानसभा के शामगढ मंडल में मंडल अध्यक्ष श्रीमति नीलकमल मेहता, विधायक चंदरसिंह सिसोदिया ने गरोठ विधानसभा के मेलखेडा मंडल में मंडल अध्यक्ष महेन्द्र पहाडिया एंव पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने मंदसौर विधानसभा के मगरामाताजी मंडल में मंडल अध्यक्ष गोपाल पाटीदार के साथ आयोजित कार्यक्रम में मंडल पदाधिकारी एंव कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पंडित श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर माल्यार्पण कर सहभागीता की। अतिथिगणों ने पदाधिकारी एंव कार्यकर्तागणो ने अटल जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की कालातंर में अटल जी ने राष्ट्रीय अर्न्तराष्ट्रीय परिदृश्य पर भारतीय विचारो को प्रतिपादित करने में अपने जीवन का अमुल्य योगदान दिया। हिन्दु तन-मन, हिन्दु जीवन इस पंक्ति को चरितार्थ किया प.अटल बिहारी वाजपेयी जी ने। हम सब कार्यकर्ता आज 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाते है। एक समय जब तमाम विपक्षीय दल यह कहते थे कि दिये में तेल नहीं और सरकार बनाना खेल नहीं इस नारे को पं.अटल बिहारी वाजपेयी जी ने एक सुशासन देने वाली सरकार बना कर तमाम विपक्षीय दलों को भाजपा की ताकत का एहसास करवाया। आज हम सभी कार्यकर्ता श्री अटल जी के जीवन से प्रेरणा ले और अपने जीवन में आत्मसात करे। श्रृद्धेय पं.अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर मंदसौर जिले के ग्रामीण क्षेत्र स्थित प्रधानमंत्री ग्राम संडक पर कार्यकर्ताओं ने रेली निकाली और अटल जी को इस ऐतिहासिक सौगात के लिये आभार व्यक्त किया और श्रृद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर प्रत्येक मंडल में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान भी मंडल अध्यक्ष द्वारा किया गया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

अटल बिहारी वाजपेयी राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक कवि भी थे -भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की 100 वीं जन्म जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई। जन अभियान परिषद से चयनित नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था सेक्टर डिगांवमाली के ग्राम पिपलिया कराडिया संस्था के कार्यक्रम समनव्यक दिनेश सोलंकी के नेतृत्व में पंडित अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। श्री सौलंकी ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक कवि भी थे। उन्हें भारत के प्रति निस्वार्थ समर्पण और समाज की सेवा के लिए भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण दिया गया 1994 में उन्हें भारत का सर्वश्रेष्ठ सांसद चुना गया इनके अलावा भी उन्हें कई पुरस्कार सम्मान और उपाधियों से नवाजा गया अटल जी को 2015 में सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मांगीलाल पाटीदार, डॉ. कमलेश बैरागी, बाबूलाल पाटीदार, सुरेश टेलर, पवन पाटीदार, पुष्कर सोलंकी, सोनू पाटीदार, रतन सिंह सिसोदिया, विवेक पाटीदार एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत ज्ञान वेदों का सार है- पंकज कृष्ण महाराज

नीमच, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा श्री कृष्ण के जीवन चरित्र का वांग्मय स्वरूप है यह मुक्ति का मार्ग दिखाती है। जीवन जीने की कला सिखाती है। श्रीमद्भागवत ज्ञान वेदों का सार है। यह बात पंकज कृष्ण महाराज कहीं ने कहीं ।वे आप और हम प्रेमी जन मंडल नीमच के तत्वावधान में श्री शनि देव मंशा पुर्ण महादेव मंदिर पर श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा शुभारंभ अवसर पर बुधवार 25 दिसम्बर को भागवताचार्य, पंकज कृष्ण महाराज ने व्यक्त किए। श्री मद्भागवत गीता के वर्तमान परिपेक्ष्य मे महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भागवत श्रवण से जीवित मनुष्य तो क्या प्रेतात्मा का भी कल्याण हो जाता है और मुक्ति मिलती है। संसार के सभी सुखों से महत्वपूर्ण श्रीमद् भागवत सत्संग होता है। जीवन में कष्टों के बाद ही सच्चा सुख मिलता है भगवान का सेवक बन कर रहना चाहिए ।कथा का व्यापार नहीं होना चाहिए। छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी से बचा कर रखना चाहिए नहीं तो इनका जीवन अंधकारमय हो जाएगा। जिसने क्रोध को जीत लिया। संसार के प्रत्येक क्षेत्र में सफल हो सकता है।माता पिता की सेवा के बिना जीवन का कल्याण नहीं होता है। युवा वर्ग श्रीमद्भागवत को प्रेरणा मानकर माता

पिता की सेवा के संस्कार को जीवन में आत्मसात करें तो उनके जीवन का कल्याण हो सकता है। श्रीमद्भागवत श्रवण करने से अनेक कष्टों का संहार होता है। मन को शांति मिलती है।तनाव दूर होता है। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंग 25से31 दिसम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 1 से 4 बजे तक श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा प्रवाहित हो रही है। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा का शंखनाद बुधवार सुबह 11बजे स्पेन्टा पेट्रोल पंप के पीछे इंदिरा नगर स्थित श्री शनिदेव मंशा पुर्ण महादेव मंदिर में भागवत पोथी पूजन के बाद कलश यात्रा से हुआ। कलश यात्रा इंदिरा नगर क्षेत्र के प्रमुख मार्गो से होती हुई ज्ञान गंगा में परिवर्तित हो गई। यात्रा में महिलाएं अमृत जल कलश सिरोधार्य कर पैदल चल रही थी ।ढोल ढमाको व बैंड बाजे पर भजनों की स्वर लहरियां बिखर रही थी। कलश यात्रा में महिलाएं लाल पीले परिधानों में सहभागी बनी।

नीमच सिटी में भागवत कथा आज से-समस्त भक्तजन एवं श्री चारभुजा भागवत प्रचार महिला मण्डल नीमच सिटी के तत्वावधान में 26 दिसम्बर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव प्रतिदिन दोप. 12.30 से 3.30 बजे तक भटनागरजी बैंक, जूना बाजार, चारभुजा मंदिर, नीमच सिटी पर आयोजित की गई है, जिसमें कथा व्यास भागवताचार्य पं.राजन पुरोहित अपनी अमृतमयी वाणी से भागवत गंगा का श्रवण भक्तों को कराएंगे। उक्त जानकारी देते हुए समिति पदाधिकारियों ने बताया कि 26 दिसम्बर को प्रात: 11 बजे भव्य कलश यात्रा श्री सांवरिया सेठ मंदिर से प्रारंभ होगी जो सिटी के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुन: कथास्थल पर पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित होगी। कलश यात्रा में अधिकाधिक संख्या में महिलाएं केसरिया वस्त्र एवं पुरुश सफेद वस्त्र पहनकर पधारें और धर्मलाभ लेवें।

नपाध्यक्ष ने जनकल्याण शिविर का निरीक्षण किया

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 11 दिसम्बर से 26 जनवरी 2025 तक म.प्र. शासन के निर्देश पर नपा परिषद के द्वारा शासन के विभिन्न विभागों के सहयोग से वार्ड स्तर पर मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर लगाये जा रहे है। विगत दिनों नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने वार्ड स्तर पर लगाये जा रहे शिविरों का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा यहां मौजूद कर्मचारियों से चर्चा कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर के साथ इस अवसर पर नपा लोक निर्माण सभापति निर्मला चंदवानी भी उपस्थित रही। इन शिविरों में आयुष्मान कार्ड, पीएम स्वनिधि योजना, पेंशन योजना, समग्र आईडी सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी हितग्राही को दी जा रही है तथा उन्हें इन योजनाओं का लाभ देने हेतु आवश्यक कार्यवाही भी की जा रही है।

स्वयं को असहाय अनुभव कर भगवान को पुकारो, वे दौड़े चले आते है-शास्त्री

मनासा, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जीव को जब तक खुद की ताकत का भरोसा होता है तब तक वह सोचता है, वह हर मुसीबत को पार कर लेगा तब तक ईश्वर उसका सहारा नहीं बनने और जब वह सब ओर से स्वयं को असहाय अनुभव कर भगवान को पुकारता है। भगवान दौडे चले आते हे गजेंद्र को जब जल में रहने वाले ग्राह ने पकड लिया और पानी में खीचने लगा तब सबसे पहाले गज के अपने बल का अहं टूटा। यह संसार सरोवर के समान हे जिसमें जीव प्रवेश करता है और अपने कर्तव्यों का बोझ लादे लादे फिरता है और ग्राह ओर कोई नहीं वह काल का रूप हे और काल सबसे पहले चरण अर्थात घुटने पकडता है। गज और ग्राह में चार पहर संघर्ष चलता रहा ये चार पहर और कुछ नही, बचपन युवा प्रौढता और वृद्धावस्था है। पहले ग्राह का अपने बल का अहं टूटा फिर एक-एक कर उसके परिवार जन उसे उसी अवस्था में छोड चले गए। उसी तरह जैसे इंसान अंतिम सांस गिनता आई सी यू में अकेला होता है, सारे निकटस्थ नाते, रिश्ते, बाहर खडे रहते है। परिवार बल का अंह टूटने पर गजेंद्र ने प्रभु को पुकारा। कमल पुष्प तोडा और अर्पित किया, पुष्प अर्थात सुमन शुध्द मन निष्कपट मन निसंग मन। प्रभु दोडे आए और अपने चक्र से ग्राह का सिर विच्छेद कर दिया। भगवान तभी आते हैं जब कोई शुध्द भाव से पूर्ण समर्पित होता है। उक्त आशय के सद विचार मंदिरों की नगरी में द्वारकापुरी धर्मशाला में बसेर परिवार व्दारा आयोजित भागवत कथा के गज-ग्राह प्रसंग को व्याख्यावित करते हुए परम् पूज्य आचार्य डॉ. देवेन्द्र शास्त्री ने व्यक्त किए।

आपने चौथे दिवस की कथा के अगले प्रसंग राजा बलि एवं वामन अवतार कथा को व्याख्यायित करते हुए कहा राजा बलि ने प्रभु को अपना सर्वस्व दान कर दिया। आज भी जो बडा दान करता है वह 'बलिदान' कहलाता है। जो ईश्वर को सब साथ देगा उसे ही ईश्वर सहा देते हैं। ईश्वर ने न केवळ उसे भूतल लोक दिया स्वयं उसके व्दारपाल बन गए। साक्षात लक्ष्मी जी राजा बलि के व्दार पहुंची बलि को अपना भाई बना, व्दारपा कोल बने प्रभु को बलि से माँगा। देने वाले दानी के लिए प्रभु व्दारपाल बन जाते है और लक्ष्मी जी को स्वयं माँगने के लिए विवश होना पडता है। कथा में नंदोत्सव कथा का सजीव चित्रण किया गया जिसमें वासुदेव जी के रूप को जीवंत करते हुवे दीपक बसेर जब बाल कृष्ण को नंदबाबा बने प्रहलाद बसेर (पिता) यशोदा बनी कमला देवी बसेर(माता) को सौंपते हे तो पूरा माहौल रोमांचकारी होकर श्री कृष्ण भक्ति में रम कर नाचने लगता हे झूमने लगता हे। आज पांचवे दिन 26 दिसंबर को श्री कृष्ण की बाल लीला, गोवर्धन लीला कथा का श्रवण कराया जाएगा।

कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट...

बैंक ऑफ बड़ौदा और रतलाम जीते अपने पहले मुकाबले

मंदसौर, 25 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कश ट्रॉफी ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन 2 मुकाबले खेले गए जिसमें पहला मुकाबला भारती फुटबॉल क्लब, जबलपुर और बैंक ऑफ बड़ौदा, मुंबई के बीच खेला गया। पहले हॉफ में दोनों ही टीमों ने बडा सधा हुआ खेल दिखाया और बारी बारी से एक दूरी पर बढत बनाने का मौका बनाते रहे। ऐसा लग रहा था मानो दोनों ही टीम दूसरे हाफ के लिए अपना दम बचा रही है। दोनो ही टीमों के कोच भी खेल को तेज करने का बोलते हुए नहीं दिखाई दिए। लेकिन बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने खेल में जबलपुर को उलझा कर मौका मिलते ही गोल मारकर पहले हाफ में 1–0 से बढत बना ली। दूसरा हॉफ शुरू होते ही बैंक ऑफ बड़ौदा और जबलपुर की टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास करने लगी, लेकिन बैंक ऑफ बड़ौदा के मजबूत डिफेंस को जबलपुर नहीं पार पा सकी और मैच 1–0 से हार गई। अतिथियों द्वारा मैन ऑफ ऑफ द मैच की ट्रॉफी बैंक ऑफ बड़ौदा के डेंजिल को दी गई।

दिन का दूसरा मैच मंदसौर डी एफ ए और मन फाइटर क्लब, रतलाम के बीच खेला गया। जिसमें संघर्षपूर्ण मुकाबले में मंदसौर 2–0 से हराकर बाहर हो गई। मैन ऑफ द मैच रतलाम से अमान खान रहे। आज के दिन के मुख्य अतिथि मंदसौर के एडिशनल एस पी श्री गौतम सोलंकी जी, जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा जी, शासकीय अभिभाषक श्री भगवान सिंह चौहान जी, पूर्व क्रिकेटर श्री बंटूजी मोड, क्लब संरक्षक श्री नवनीत जी गर्ग, श्री घनश्याम भटवाल, आदि सदस्यगण मौजूद रहे। आज उपस्थित अतिथियों ने सभी दिवंगतों के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनको श्रद्धांजलि प्रदान की। सभी खिलाड़ियों से मैदान में अतिथियों ने परिचय प्राप्त किया। खिलाडियों और दर्शकों में देश भावना का जज्बा जागृत करने के लिए चंबल फुटबॉल क्लब हर मत है से पहले राष्ट्रगान का आयोजन करता है, इसी तरह इस बार भी मैच से पहले राष्ट्रगान का आयोजन किया गया जिसमें मैदान में उपस्थित सभी खिलाड़ियों, अतिथियों और दर्शकों ने सम्मान से अपनी जगह खड़े होकर उसका मान रखा।

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
शनिवार दिनांक 28 दिसम्बर को शाम 5 से रात 8 और
रविवार 29 दिसम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध
सुविधाएं-✲ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✲ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✲ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✲ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✲ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✲ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✲ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✲ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)
करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे,
स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

चलो प्रयाग राज महाकुंभ
10 जनवरी श्री महादेव तीर्थ यात्रा मंदसौर
द्वारा किराया मात्र 8501/-
स्लीपर बस द्वारा
✲✲✲✲✲✲ संपर्क करें ✲✲✲✲✲✲
महेश परमार 7470433491, 9575987517

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in